हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-11 अंक-14 हरिद्वार, शनिवार, 01 जून, 2024 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

राष्ट्र की बढ़ती अर्थव्यवस्था में किसान का बहुत बड़ा योगदान: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय का दौरा किया

रुद्रपुर (संवाददाता)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि कृषकों के योगदान से ही भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को आय बढ़ाने के लिए कृषि उत्पादों की ब्रॉडिंग और पैकेजिंग कर संगठित बाजार और क्लस्टरों से जुडना होगा। जिससे वह अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में किसान अपने को तकनीकी रूप से आगे बढ़ाएं। गुरुवार को कैंची धाम के दर्शन कर उपराष्ट्रपति पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उत्तराखण्ड के राज्यपाल और जीबी पंत विवि के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति राई भवन पहुंचे और पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ चंदन का पौधा का रोपा।

जीबी पंत विवि में मीडिया कर्मियों से बातचीत में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में किसानों को अपना योगदान देना है तो किसानों को तीन बातों के लिए वचनबद्ध होना पड़ेगा। किसानों को कृषि के साथ ही कृषि उद्योगों से जुडना होगा। किसान अपना उत्पाद तुरंत बेच देते हैं। इससे उनको उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पता है और उन्हें आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने इसलिए ज्यादा से ज्यादा फायदा लेने के लिए वेयर हाउसिंग बनाने की सलाह दी ।उन्होंने कहा कि यह देखा जाता है कि किसान दूध और छाछ तक ही सीमित रहता है। अब समय आ गया है कि दूध से आइस क्रीम, पनीर व सभी प्रकार के दुग्ध उत्पाद तैयार कर बाजार में बेचें। उन्होंने कहा कि किसानों को आय बढ़ाने के लिए कृषि उत्पादों की ब्रॉडिंग, पैकेजिंग कर संगठित बाजार और क्लस्टरों से जुडना होगा ताकि वह अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

उप राष्ट्रपति ने नाहेप भवन में लगाए गए कृषि उत्पाद स्टालों का निरीक्षण किया और कृषि संग्रहालय का भ्रमण किया। उनका वैज्ञानिकों के साथ संवाद का कार्यक्रम था, जिसे अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। दौरा पूरा होने के बाद वह बरेली के रवाना हो गए।

कृषि संग्रहालय का भ्रमण किया =उप राष्ट्रपति ने नाहेप भवन में लगाए गए कृषि उत्पाद स्टालों का निरीक्षण किया और कृषि संग्रहालय का भ्रमण किया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंतनगर विवि के कृषि संग्रहालय का भ्रमण कर विवि के छह दशक की पूरी गाथा जानी और विवि की स्थापना, हरित क्रांति को इतिहास से जुड़ी तस्वीरों और दस्तावेजों के माध्यम से जाना। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. शिवेंद्र कुमार ने उप राष्ट्रपति को संग्रहालय की विशेषताएं बताई। संग्रहालय देख उप राष्ट्रपति काफी प्रभावित हुए। उप राष्ट्रपति ने संग्रहालय की तारीफ की।

यह लोग रहे मौजूद= विवि के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, जिलाधिकारी उदयराज सिंह, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, सीडीओ मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक क्राइम चंद्रशेखर घोडके, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, कौस्तुभ मिश्र, रविन्द्र जुवांठा, गौरव पांडे, नगर उपायुक्त शिप्रा जोशी, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी, प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, शोध निदेशक डॉ. अजीत सिंह नैन, सीजीएम फार्म डॉ. जयंत सिंह आदि मौजूद थे। शोध के बारे में उपराष्ट्रपति को दी जानकारियां= उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी को जीबी पंत विवि के यूनिवर्सिटी सेंटर में निदेशक शोध डा. एएस नैन ने विश्वविद्यालय के शोध केन्द्रों पर चल रहे शोध से प्राप्त विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी। इस दौरान उन्नत बीजों, शहद एवं उनके मूल्यवर्धित उत्पाद, मशरूम तथा अधिष्ठात्री सामुदायिक विज्ञान डा. अल्का गोयल द्वारा बर्नयार्ड मिलेट से बने मूल्यवर्धित उत्पाद और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गोबर से निर्मित उत्पाद एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध सामग्री से बने उपयोगी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया। कृषक पुत्र के रूप में निभानी है भूमिका =उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ने राज्य सभा में उनको कृषक पुत्र के रूप में पहचान दिलायी और उन्हें कृषक पुत्र के रूप में पूरी भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि किसानों को तकनीकी रूप से आगे बढने की आवश्कता है। किसान के देश की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में और अधिक योगदान देने के लिए किसान को अपने उत्पाद के लिए व्यवसाय के रूप में जुडना होगा। एयरपोर्ट से लेकर विवि तक थी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था =उपराष्ट्रपति के पंतनगर आमगन को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। इस दौरान पंतनगर एयरपोर्ट से लेकर जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उपराष्ट्रपति के सुरक्षा घेरे के साथ ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारी यहां मौजूद रहे। सुबह से ही उपराष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सुबह से ही सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे। कड़ी सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए थे। उप राष्ट्रपति के विश्वविद्यालय के प्रथम भ्रमण को सफल बनाने को सभी को धन्यवाद देता हूं। उपराष्ट्रपति का आगमन विश्वविद्यालय में बहुत ही सुखद है। इससे हमारे वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा और हमारे शोध एवं शिक्षण कार्य में वृद्धि होगी। – डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, कुलपति पंत विश्वविद्यालय

एक वर्ष से कम समय में भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का विश्वविद्यालय में आगमन एक गौरव का विषय है। जो की कुलाधिपति एवं कुलपति के अथक प्रयासों से संभव हो सका है। -डॉ. जेपी जायसवाल, संचार निदेशक जीबी पंत विश्वविद्यालय

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रैली और गोष्ठी का आयोजन किया

हरिद्वार, संवाददाता। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.मनीष दत्त, सीएमएस डा.सीपी त्रिपाठी एवं रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव डा.नरेश चौधरी के नेतृत्व में ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज से देवपुरा चौक तक रैली निकाली गयी। रैली के पश्चात ऋषिकुल आयुर्वेदिक चिकित्सालय के सभागर में तम्बाकू निषेध गोषठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथी सीडीओ प्रतीक जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.मनीष दत्त, सीएमएस डा.सीपी त्रिपाठी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.पंकज जैन, डा.अनिल वर्मा, रेडक्रॉस सचिव डा.नरेश चौधरी ने कहा कि सरकार ने नई पहल करते हुए तम्बाकू मुक्त चारधाम की शुरूआत की है। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस तम्बाकू से होने वाले नुकसान, तम्बाकू उद्योग की कुरूतियों और तंबाकू महामारी से निपटने के लिए विश्व स्तर पर जन जागरूकता फैलाने प्रयास किया जा रहा है। बच्चों को तम्बाकू से बचने के लिए जागरूक करने के लिए बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाया जा रहा है।

रैली और गोष्ठी में डा.उषा बिष्ट, डा.पंकज, डा.संध्या शर्मा, डा.आरती, मनोज कपिल, अनिता डा.मुस्कान, अपेक्षा गुप्ता, मेट्रन उषा, मनोरमा, बेनु नंदा, सुषमा, बबनी, नेहा, संकिता शर्मा, नवनीत कौर, सुमित सक्सेना, राजू, दिनेश लखेड़ा, सिद्धान्त मेहरा, जिला परामर्शदाता सुनील राणा, रोहित यादव, विनोद कुमारी, त्रिशा, ममता थापा, आरती, दिनेश लखेडा, महेश कुमार, गौरव गुलाटी, घनश्याम, नवीन बिंजोला, शकुंतला, मुकांशी, मुकेश पुजारी, राजन बडोनी, आलोक, एचईसी कालेज, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज मायापुर, जमालपुर उच्चतर महाविद्यालय, ऋषिकुल आयुर्वेदिक विश्विद्यालय के इन्टर्नस, शांतिकुंज के प्रचारक, डीएवी कालेज, बाला जी सेवा संस्था आदि स्कूल कालेज के छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

बीईएमएस के सीनियर छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया

हरिद्वार, संवाददाता। बालाजी इंस्टीट्यूट आफअल्टरनेटिव मेडिकल साइंस एंड केंसर रिसर्च सेंटर अलीपुर आनन्द नगर बहादराबाद में आयोजित विदाई समारोह में बीईएमएस के सीनियर छात्रों को जूनियर छात्रों ने विदाई दी। मुख्य अतिथि इएमए इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव डा.एनएस ताकुली उपस्थित रहे। समारोह में लक्ष्मी कुशवाहा, मंजुला होलकर, शिवांकी कल्याण, रूद्राक्षी आर्य ने नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट के निदेशक डा.केपीएस चौहान ने स्टाफकी तरफसे विदाई गीत हम सबकी दुआएं लेते जाओ, तुम्हें जीवन में सफलता अपार मिले, हमारी कभी ना याद आएं तुम्हें खुशियां अपार मिले प्रस्तुत किया तथा छात्रों को अपने चिकित्सीय जीवन में सफल होने की शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि डा.ताकुली ने कहा कि छात्र जीवन, मनुष्य जीवन का अहम हिस्सा है। कुशल चिकित्सक बनकर यहां से जाने के बाद रोगियों की स्वास्थ्य सेवा के रूप में समाज सेवा करें और अपने इंस्टीट्यूट का नाम रोशन करें। प्राचार्या डा.विजय लक्ष्मी, डा.ऋचा आर्य, डा.कमलेश शर्मा, डा. बीबी कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

पार्किंग में खड़े वाहनों में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे शातिर को दबोचा

हरिद्वार, संवाददाता। नगर कोतवाली पुलिस ने पार्किंग में खड़े वाहनों में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी के कब्जे से पार्किंग में खड़ी कार से चोरी किए गए गहने और लैपटॉप बरामद किया गया है। हरियाणा के अंबाला निवासी आरोपी पूर्व में अंबाला और हरिद्वार के थाना बहादरबाद से चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। हैप्पी होम विला सिडकुल निवासी दीक्षा शर्मा पत्नी दिनेश शर्मा पार्किंग में खड़ी उनकी अल्टो कार से सोने की अंगूठियां और कागजात चोरी होने तथा ओमप्रकाश पुत्र हेतराम निवासी झण्डा सुर्द थाना सरदुलगढ जिला मानसा पंजाब ने गाडी से लैपटाप चोरी होने के संबंध में मुकद्मा दर्ज कराया था। मुकद्मा दर्ज करने के बाद जांच पड़ताल करते हुए पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पंतदीप पार्किंग गेट नं.2 से आरोपी कुलदीप पुत्र जयसिंह निवासी मनमोहन नगर अम्बाला सिटी थाना बलदेवनगर जिला अम्बाला हरियाणा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गयी पांच अंगूठियां और लैपटाप और गाड़ी खोलने में इस्तेमाल की गयी चाबी बरामद की गयी। पुलिस टीम में एसएसआई सतेंद्र सिंह बुटोला, एसआई यशवीर सिंह नेगी, कांस्टेबल गंभीर, बृजमोहन, निर्मल व सुनील चौहान शामिल रहे।

सम्पादकीय

निराशा में ही आशा

जब भी हम हारते हैं या निराश होते हैं तब हम धैर्य रखना सीखते हैं। हम सफलता के लिए अधिक उद्यत होते हैं। जब भी हार होती है तो उसे इस तरह ही देखें कि आपके प्रयास सफलता के लिए पर्याप्त नहीं थे और आपको सफलता के लिए और तैयारी की जरूरत है। निराशा में ही आशा छिपी होती है। हार में उन कारणों को ढूंढने का प्रयास होना चाहिए जिनसे आप सफलता से दूर रहे और उन्हें सुधारने का प्रयास आपको विजेता बनाता है। जब आप एक एक करके अपनी कमजोरियों पर काम करते हैं तो आप खुद को विपरीत परिस्थितियों के योग्य बना लेते हैं। यहां हर तरह की स्थिति बनती है और आनंद भी इसी में है। इसलिए हर स्थिति में सहज रहना जरूरी है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि आप अपने लिए ऊंचे लक्ष्य तय ही न करें। अपने लक्ष्य ऊंचे रखें लेकिन उन लक्ष्यों के पूरा न होने पर भी जीवन को रुकने न दें। क्रिकेट के मैच में एक टीम हारती है लेकिन अगले मैच में वह इस हार को भुलाकर जीतने की कोशिश करती है। ऐसे भी पर्वतारोही हैं जिन्हें पर्वत ने कई बार हराया लेकिन उन्होंने जीत के लिए साहस नहीं हारा और अंतत पर्वत उनकी इच्छाशक्ति के आगे झुका। तो अपनी अपनी अपेक्षाओं का एक संतुलन बनाना जरूरी है। उनके लिए प्रयास हो लेकिन प्रयास सफल न होने पर निराशा घर न करे। अपने मन का हो तो अच्छा और न हो तो और भी अच्छा के भाव से अपनी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें। हार से सीखने का प्रयास करें असफलता और हार भी हमें बहुत कुछ सीखने का मौका देती है।

रोजाना एक गिलास नींबू पानी के सेवन से मिलते हैं ये स्वास्थ्य संबंधी फायदे

नींबू पानी का सेवन सिर्फ शरीर को हाइड्रेट रखने तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में भी सक्षम है। इसका मुख्य कारण यह है कि नींबू विटामिन- सी और कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होता है, जो शरीर को डिटॉक्स करने के साथ-साथ कई बीमारियों के जोखिम कम करने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं। आइए आज जानते हैं कि रोजाना एक गिलास नींबू पानी पीने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया के लिए है लाभदायक

रिसर्चगेट की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, नींबू पानी में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन क्रिया में सुधार के लिए बहुत लाभप्रद है। फाइबर शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को संतुलित करके पाचन क्रिया को बेहतर बनाने और पाचन संबंधित समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। पाचन को दुरुस्त रखने में हल्के गर्म नींबू पानी का सेवन करें और इसमें चीनी की जगह शहद मिलाएं। रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में है सहायक नींबू पानी का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में काफी मदद कर सकता है।

एक शोध के मुताबिक, नींबू पानी विटामिन- सी का बेहतरीन स्त्रोत होता है, जो एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह कार्य करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकता है। इसके अतिरिक्त, इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और अन्य गुण शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति भी प्रदान करते हैं।

त्वचा के लिए भी है फायदेमंद

नींबू पानी न सिर्फ स्वास्थ्य बल्कि त्वचा के लिए भी लाभकारी साबित हो सकती हैं क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन- सी एक अच्छा एंटी-ऑक्सीडेंट तो होता ही है, इसके साथ ही यह त्वचा के लिए एक प्रभावी एस्ट्रिनजेंट की तरह भी काम करता है। एस्ट्रिनजेंट त्वचा के रोमछिद्रों को छोटा करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा से सीबम के स्राव को नियंत्रित करने में भी मददगार साबित हो सकता है।

ताजा सांस के लिए करें नींबू पानी का सेवन

नींबू पानी में एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो मुंह के कीटाणुओं को दूर कर मुंह की बदबू से राहत दिलाने में सहायक होते हैं। इसके अलावा, नींबू पानी में मौजूद मेंथॉल की वजह से इससे ताजगी का एहसास मिलता है और इस वजह से माउथ फ्रेशनर के रूप में भी इसका सेवन किया जा सकता है। इन्हीं फायदों की वजह से नींबू पानी का सेवन मुंह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है।

बच्चों को अनुशासन और लोकाचार सिखाने में नाकाम समाज !

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में किशोर अपचारियो द्वारा किए गए अपराध और उनके संदर्भ में अदालत द्वारा दिए गए आदेश परस्पर विसंगति दर्शा रहे हैं। आपको बता दें कि हाल ही में उत्तराखंड के एक स्कूल में 14 साल की गर्ल क्लासमेट का अश्लील वीडियो वायरल करने वाले छात्र को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया. इस वीडियो से हुई बदनामी के भय की वजह से पीड़ित बच्ची ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। मिली रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी को जमानत न देने वाले अदालत के इस फैसले से एक नजीर पेश हुई है कि कानून तोड़ने वाले बच्चों को अपराध गंभीर होने के बाद भी जमनात मिलनी चाहिए, ये अपवाद है। उत्तराखंड मामले में अदालत के फैसले के बाद पुणे के उस केस की चर्चा तेज हो गई है, जिसमें पोर्शे कार से दो लोगों की जान लेने वाले नाबालिग आरोपी को महज 300 शब्दों का निबंध लिखवाकर और अन्य शर्तों के साथ जुबेनाइल कोर्ट से जमानत मिल गई। हालांकि इस मामले में पुलिस आरोपी के लिए सख्त सजा की मांग कर रही है. उत्तराखंड का मामला पुणे केस में भी एक नजीर साबित हो सकता है। इन दोनों मामलों में दोनों अदालतों के नजरिए में साफ विसंगति नजर आ रही है एक ओर सर्वोच्च न्यायालय की पीठ उस किशोर अपचारी की जमानत याचिका खारिज करने के हाइकोर्ट के निर्णय को सही ठहराती है जिस किशोर की कथित करतूत के कारण एक नाबालिग छात्रा ने सुसाइड कर अपनी जान गंवा दी दूसरी ओर निचली अदालत ने 17 साल के उस उद्दंडी नाबालिग को हाथों हाथ जमानत देदी थी जिसने शराब पीकर रश ड्राइविंग कर दो युवा आइटी इंजिनियरो को पुणे में सड़क पर कुचल कर मार दिया।

कानून में नाबालिग को संरक्षण

जब किसी बच्चे द्वारा कानून या समाज के खिलाफ कोई कार्य किया जाता है, तब उसे बाल अपराध की संज्ञा दी जाती है जिसे किशोर अपराध अथवा बाल अपचारिता भी कहा जाता है।किशोर न्याय कानूनों में अपराध शब्द की जगह अपचारिता शब्द का प्रयोग किया गया है, क्योंकि समाज का मानना है कि बच्चे कभी अपराध नहीं करते, उनके कृत्य अभद्र, अशिष्ट या निन्दनीय हो सकते हैं, लेकिन वे कभी दण्ड योग्य नहीं हो सकते।भारत में बाल न्याय अधिनियम, 1986 (संशोधित 2000) के तहत 16 वर्ष की आयु तक के बालकों एंव 18 वर्ष की आयु तक की बालिकाओं द्वारा किये गए कानून विरोधी कार्य बाल अपराधी की श्रेणी में आते है। यह अलग बात है की राज्य एंव देश के अनुसार बाल अपराधी की अधिकतम आयु सीमा भी अलग हो सकती है। बाल अपराध के सम्बन्ध में हम केवल आयु को ही निर्धारित नहीं मान सकते इसमें कभी कभी अपराध की गंभीरता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, यानि 7 से 16 का बालक या 7 से 18 वर्ष की बालिका द्वारा कोई ऐसा अपराध किया जाता है, जिसकी सजा मृत्यु दण्ड या आजीवन कारावास है, उस स्थिति में हम उन्हें बाल अपराधी नहीं मान सकते, जैसे ङ्क हत्या, देशद्रोह, घातक आक्रमण आदि कार्य को करना।

बदलते परिवेश में क्रूर हुए किशोर अपचारी

समाज में आ रहे सामाजिक बदलाव व अपराध की बढ़ती प्रवृति लोकाचार का समाप्त हो रहा भय डॉन बतौर पहचान बनाने की ललक जैसे कारण है कि किशोरों में अपराधिक प्रवृति बढ़ रही है राजधानी दिल्ली में ही पिछले कुछ वर्षों में कई नृशंस हत्याकांड को नाबालिग किशोर अपचारियो ने कारित किया है देश भर में किशोर अपचारियो की अपराधिक करतूतें लगातार बढ़ रही हैं ऐसी स्थिति में कानून द्वारा किशोर अपचारियो को दिया गया संरक्षण अनेक गंभीर मामलों में उनकी अपराध करने की मनोवृति को प्रोत्साहित करने का काम करता मालूम पड़ता है। यहां तक कि अब संगठित गिरोह कानून में मिल रही नरमदिली का फायदा उठाकर किशोरों के हाथों सुपारी किलिंग जैसे अपराध को अंजाम दिलाने के लिए किशोरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे विधि एवं न्याय व्यवस्था के नीति निर्माताओं को इन तथ्यों पर भी विचार कर किशोरों को मिल रही साफ्ट हार्ट ट्रीटमेंट की पुनर्समीक्षा करनी होगी।

उत्तराखंड का मामला

उत्तराखंड के स्कूल में हुए अश्लील वीडियो मामले में इस साल 10 जनवरी 2024 को, जुबेनाइल कोर्ट, हरिद्वार ने 'कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे' की जमानत याचिका खारिज कर दी थी. बच्चे पर आईपीसी की धारा 305 और 509 और पोक्सो अधिनियम की धारा 13 और 14 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जुबेनाइल कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट की तरफ से बरकरार रखे जाने के बाद आरोपी लड़के ने अपनी मां के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सीनियर वकील लोक पाल सिंह ने अदालत में दलील दी कि बच्चे के माता-पिता उनकी देखभाल करने के लिए तैयार हैं, उसे बाल सुधार गृह में नहीं रखा जाना चाहिए और उसकी हिरासत उसकी मां को दी जानी चाहिए. लेकिन न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की शीर्ष अदालत की बेंच ने हाल ही में सोमवार को हाई कोर्ट के फैसले की जांच करते हुए लड़के को जमानत देने से इनकार करने के फैसले को सही पाया। बता दें कि हाई कोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते हुए लड़के को 'गैर अनुशासित बच्चा' कहा था। बच्ची के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि लड़के ने उनके अश्लील वीडियो शूट कर क्लिप को छात्रों के बीच सर्कुलेट किया. बदनामी के डर से उनकी बेटी ने जान दे दी। बता दें कि अश्लील वीडियो सर्कुलेट होने के बाद बच्ची पिछले साल 22 अक्टूबर को अपने घर से लापता हो गई थी और बाद में उसका शव बरामद किया गया था. उत्तराखंड हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी ने 1 अप्रैल को आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए एक तर्कसंगत आदेश दिया था. उन्होंने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे के लिए, हर अपराध जमानती है और वह सीआईएल जमानत का हकदार है, भले ही अपराध को जमानती या गैर-जमानती के रूप में वर्गीकृत किया गया हो.हालांकि, अदालत ने आगे कहा कि अगर यह मानने के लिए उचित आधार है कि रिहाई से %कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे% को किसी ज्ञात अपराधी की संगति में लाने, उसे नैतिक, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक खतरे में डालने की संभावना है, या फिर उसकी रिहाई से न्याय के उद्देश्य विफल हो जाएंगे, तो उसकी जमानत से इनकार किया जा सकता है।

किशोरों में समाज का भय नहीं

बच्चों किशोरों के अपराध की ओर आकर्षित होने के पीछे की सामाजिक बदलाव भी जिम्मेदार है। आजकल छोटे न्यूक्लियर परिवार में एक दो बच्चे होते हैं जो मां-बाप के लाड प्यार में बेहद जिद्दी लापरवाह व उद्दंडी हो जाते हैं अधिकांश परिवारों में दादा दादी ताऊ ताई या अन्य बड़ो का हस्तक्षेप या संरक्षण भी शून्य हो चला है। साथ ही आउटडोर गेम में हिस्सेदारी न कर अधिकांश बच्चे मोबाइल पर चिपके हैं मोबाइल इन बच्चों को तमाम फूहड़ विकृति भरा माहौल घर बैठे दे रहा है तमाम तरह की गंदी रील नृशंसता क्रूरता हैवानियत ओटीटी प्लेटफार्म पर भरमार है ऐसी स्थिति में बच्चे समय से पहले सेक्स और अपराध की ओर बढ़ रहे हैं पुणे सड़क दुर्घटना के मामले में ही गौर कीजिए सत्रह साल का किशोर दो करोड़ की पॉर्श गाड़ी में रात के एक बजे पब में शराब की पार्टी करता है 48000 का पब का भुगतान किया जाता है फिर ढाई सौ की स्पीड पर गाड़ी ड्राइव करता है लेकिन दो युवा आइटी इंजीनियरों को कुचलने के लिए पकड़े जाने पर नाबालिग होने का कानूनी लाभ उठाता है। जाहिर है कि हमारा समाज बच्चों किशोरों को अनुशासित बनाने और लोकाचार शिष्टाचार संस्कार देने में नाकाम होता जा रहा है।

कानून का पुनरीक्षण जरूरी

इन हालातों को देखते हुए बाल किशोर अपचारियो के लिए बनाए गए कानून का पुनरीक्षण कर पुनः परिभाषित करने की जरूरत है तथा वयस्क वय के करीब पहुंच रहे पंद्रह साल आयु पूरी कर चुके अपचारियो के खिलाफ वयस्क अपराधियों जैसी कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत है ताकि बढ़ती अपराधिक प्रवृति को नियंत्रित किया जा सके साथ ही किशोरों के लिए बनाए गए रियायती कानून का दुरुपयोग रोका जा सके।

पर्यटन कारोबारियों ने सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिए यज्ञ किया

हरिद्वार, संवाददाता। चारधाम पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में संयुक्त मोर्चा पर्यटन उद्योग एवं टूर ऑपरेटर एसोसिएशन ने प्रतिष्ठान बंद कर सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिए माया देवी प्रांगण में यज्ञ किया। जिसमें हरिद्वार के पर्यटन से जुड़े सभी व्यवसायी शामिल हुए। टूर ऑपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक अहलुवालिया ने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते चारधाम यात्रा के लिए आ रहे यात्रीयों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनकी आस्था को भी ठेस पहुंच रही है। साथ ही पर्यटन व्यवसाय से जुड़े व्यवसायियों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार चार धाम यात्रा को सुचारू रूप से चलाने का प्रयास करे। चारधाम यात्रा में पंजीकरण बाध्यता पूर्ण रूप से समाप्त की जाए और रास्ते से सभी बैरियर तुरंत प्रभाव हटाए जाए। यदि मांगे नहीं मानी गयी तो पर्यटन व्यवसायी धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

महामंत्री सुमित ने कहा कि चारधाम यात्रा में आज तक ऐसा नहीं हुआ जो आज हो रहा है। सरकार चार धाम यात्रा के पंजीकरण को लेकर अपना तुगलकी फरमान जारी कर देती है।एक तरफसरकार पर्यटन को बढ़ावा देने की बात करती है। वही दूसरी और पर्यटन से जुड़े व्यावसायियों के लिए ऐसी नीतियाँ बनाती हैं। इस बार चार धाम यात्रा का रजिस्ट्रेशन इस तरह लग रहा है। जैसे विदेश जाने के लिए वीजा बनवाना हो। पर्यटन से जुड़े सभी व्यवसायियों पर आर्थिक संकट आ गया है। श्रद्धांलु हरिद्वार ऋषिकेश में रुके हुए हैं। गाड़िया खड़ी हैं। सरकार बड़े पैकेज वालों को प्राथमिकता देकर चार धाम भेज रही है। गरीब आदमी के लिए चार धाम यात्रा पर जाने की कोई व्यवस्था नहीं है। सरकार की दोहरी नीति नहीं चलेगी। व्यवस्था बनाना सरकार का काम है। उन्होंने कहा कि सभी पर्यटन कारोबारियों ने सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिए यज्ञ किया। यदि सरकार नहीं जागती है तो सड़क से सदन तक आंदोलन होगा। जिसकी ज़िम्मेदारी सरकार की होगी। इस दौरान टैक्सी मैक्सी एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश भाटिया, टैक्सी यूनियन अध्यक्ष संजय शर्मा, टेंपो ट्रेवलर यूनियन अध्यक्ष सुनील जायसवाल, विजय शुक्ला, अरविंद खनेजा, अंजित कुमार, रंजित सिंह, अर्जुन सैनी, अवतार सिंह, इकबाल सिंह, मुकेश कुमार, उमेश पालीवाल, सुमित श्रीकुंज, हरीश भाटिया, विक्रांत गर्ग, अंकित राणा, सौरव वर्मा, उमेश कुमार, ओवेश सिसोदिया, सुरेंद्र जैन, दीपक उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में ट्रैवल व्यवसायी शामिल रहे।

संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की बात कर विपक्ष फैला रहा भ्रम-आलोक कुमार

हरिद्वार, संवाददाता। विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने का जो मुद्दा विपक्ष द्वारा उठाया जा रहा है। वह पूरी तरह झूठ है। संविधान बदलने जैसी कोई बात नहीं है। इससे बड़ा कोई झूठ नहीं है। गुरूकुल महाविद्यालय में आयोजित बजरंग दल के प्रशिक्षण वर्ग के समापन के दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए आलोक कुमार ने कहा कि संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने जैसे मुद्दे उठाकर विपक्ष भ्रम फैला रहा है और समाज को बांटने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विहिप का स्पष्ट मत है कि आरक्षण तब तक चलना चाहिए। जब तक समाज में समानता नहीं आ जाती। जब अनुसूचित समाज स्वयं कहे कि समाज में व्याप्त असमानता समाप्त हो चुकी है तो इस पर विचार किया जाना चाहिए। अयोध्या राममंदिर के संबंध में विहिप अध्यक्ष ने कहा कि मंदिर की पहली मंजिल पर महर्षि वाल्मीकि, माता शबरी, जटायु, वशिष्ठ और विश्वामित्र की मूर्तियां स्थापना करने का काम चल रहा है। जो कि इस वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। काशी मथुरा के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार पक्ष में है। इसलिए किसी आंदोलन की जरूरत नहीं है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। हमारे तथ्य और तर्क मजबूत हैं। फैसला हिंदू समाज के पक्ष में आने की पूरी उम्मीद है। हाल ही में आयी देश में मुस्लिम आबादी बढ़ने और हिंदू आबादी घटने की रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकी संतुलन बनाए जाने की आवश्यकता है। हिंदू समाज को कम से कम दो बच्चे पैदा करने के लिए जागरूक किया जाएगा। विहिप प्रचार प्रसार विभाग के प्रांत प्रमुख पंकज चौहान ने बताया कि 24 मई से शुरू हुए बजरंग दल के प्रशिक्षण वर्ग में 23 सांगठनिक जिलों के 122 प्रशिक्षणार्थियों को संगठन की रीति नीतियों का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश, स्वामी आर्षदेव, योगी सोमनाथ, विहिप प्रांत मंत्री धीरेंद्र शर्मा, प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार, बजरंग दल प्रांत संयोजक अनुज वालिया, विहिप प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख पंकज चौहान, मोहित प्रधान, नवीन तेश्वर, भूपेंद्र सैनी, अमित मुल्तानिया, रोहित शास्त्री, अक्षय शर्मा, अमित कुमार, कुलदीप कुमार, शिवम सिंह बिष्ट, जिवेंद्र तोमर, भूपेंद्र सैनी आदि मौजूद रहे।

विरोधी राजनीति करने वालों को मोदी जी के बोलने से और मौन रहने से भी परेशानी : भट्ट

देहरादून (संवाददाता)। भाजपा ने पीएम नरेंद्र मोदी की साधना पर विपक्ष के विरोध को चुनाव में मिलने वाली हार का डर करार दिया है। राज्यसभा सांसद और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने तंज किया कि नकारात्मक और सनातन विरोधी राजनीति करने वालों को मोदी जी के बोलने से और मौन रहने से भी परेशानी है। उन्होंने पीएम की साधना की खबर रोकने की मांग जनता को दुनिया के अपने सबसे लोकप्रिय नेता से दूर रखने की साजिश करार दिया है। भट्ट ने चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कन्याकुमारी में ध्यान साधना करने को सनातन परंपरा का हिस्सा बताया है और कहा कि सदियों से किसी भी बड़े काम काज के पूर्ण होने के बाद पूजा पाठ, ध्यान साधना का महत्व रहा है। स्वयं स्वामी विवेकानंद ने भी भारत भ्रमण के बाद, कन्याकुमारी की शिला पर 3 दिन साधना की थी। जिसमे यात्रा से हासिल अनुभव और भारत के भविष्य को लेकर विचार मंथन उन्होंने किया। मंथन से निकले अमृत विचारों के माध्यम से उन्होंने शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में सनातन धर्म को शीर्ष पर स्थापित किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के जीवन में स्वामी जी के विचारों एवं जीवनशैली का बड़ा प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। उनका अनुसरण करते हुए चुनाव के दौरान दो महीने की अपनी भारत यात्रा का समापन वे इसी विवेकानंद शिला पर सात्विक एवम सनातन परंपरा के साथ कर रहे हैं। विवेकानंद जी ने जिस एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना इसी शिला पर ध्यान के दौरान देखा था उसे धरातल पर उतारने का काम मोदी जी ने किया है। उन्होंने मोदी जी की इस ध्यान साधना पर कांग्रेस समेत विपक्ष की आपत्तियों एवं बयानबाजियों को अफसोसजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण बताया। साथ ही आरोप लगाया कि ये सब इंडी गठबंधन की सनातन विरोधी एवं नकारात्मक सोच को दर्शाता है। क्योंकि कल तक जिन्हे मोदी के बोलने और उनकी पोल खोलने पर समस्या होती थी, उनको आज मोदी जी के मौन रहने से भी दिक्कत है। इससे पूर्व भी वे 2019 के चुनावों के बाद फिर से ऊर्जा ग्रहण करने के लिए श्री केदारनाथ धाम में 14 घंटे साधना करने गए थे। अब इस बार कन्याकुमारी में वे 45 घंटे एकांतवास में ध्यान करना चाहते हैं तो इससे दिक्कत केवल सनातन विरोधियों को ही हो सकती है। पीएम मोदी भारतीय सनातन संस्कृति और स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्वाभाविक ध्वजवाहक हैं। ऐसे में सनातन एवं राष्ट्र विरोधी ताकतों को उनकी साधना एवं आस्था से दिक्कत होनी स्वाभाविक है। भट्ट ने विपक्ष की उनके प्रसारण को लेकर आपत्ति को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि मोदी जी देश ही नहीं दुनिया के भी सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। वे देश के प्रधानमंत्री हैं और भारतीय संस्कृति के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। देश दुनिया उनको प्यार और उनका अनुसरण करती है, लिहाजा स्वाभाविक है कि लोग उनकी पल पल की जानकारी रखना चाहेगे। इंडी गठबंधन को 6 चरणों के चुनाव में अपनी करारी हार का अहसास हो गया है। यही वह है कि मोदी जी लोकप्रियता से डर से वह उनके ध्यान की खबर को भी जनता के बीच पहुंचने से रोकना चाहते हैं।

15 जून को कैंचीधाम में लगेगा भव्य मेला, तैयारियों में जुटा प्रशासन

हल्द्वानी (संवाददाता)। प्रसिद्ध कैंचीधाम में नीम करौली बाबा के दर्शन करने के लिए रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। 15 जून को कैंची धाम मंदिर की स्थापना के मौके पर हर साल मेला लगता है। मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है, जिसको देखते हुए जिला प्रशासन ने अभी से तैयारी शुरू कर दी हैं। जिसके तहत पहली बार शटल सेवा शुरू की जाएगी। हालांकि इससे पहले जिला प्रशासन और परिवहन विभाग के बीच कई दौर की बैठकें भी हो चुकी हैं। हल्द्वानी के आरटीओ नंदकिशोर ने बताया कि पहली बार मेले के मौके पर जिलाधिकारी के निर्देश पर हल्द्वानी से कैंची धाम तक सीधी शटल सेवा चलाई जाएगी। शटल सेवा के तहत हल्द्वानी के रोडवेज स्टेशन, रेलवे स्टेशन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम से बस का संचालन किया जाएगा। नंदकिशोर ने बताया कि योजना के तहत बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को हल्द्वानी में रोककर उनको शटल सेवा से मंदिर दर्शन के लिए भेजा जाएगा। कुमाऊं मोटर्स ऑनर्स यूनियन के अलावा अन्य निजी बसों को शटल सेवा के तहत लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भवाली से कैंची धाम मंदिर तक वाहनों का आना-जाना पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। हालांकि श्रद्धालु टैक्सी शटल सेवा और बस शटल सेवा से मंदिर तक आवाजाही कर सकते हैं।

लोक अदालत 29 को

पौड़ी (सू.वि.)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में 29 जुलाई से 03 अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

प्रभारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी प्रतिक्षा केशरवानी ने अवगत कराया कि जिन व्यक्तियों के दीवानी मामले, पारिवारिक, श्रम सम्बन्धी, सर्विस मामले, मोटर एक्सीडेंट, चौक बाउंस, वाणिज्यिक मामले, उपभोक्ता वाद, किरायेदारी से सम्बन्धित व अपराधिक शमनीय प्रकृति के मामले सहित अन्य जो माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित हो वह अपने मामलो का निस्तारण करा सकते है। उन्होंने बताया कि मामलों के निस्तारण हेतु संबंधित व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौडी गढवाल के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से या ई-मेल कसेंचंनतप/हउंपस.बवउ के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।

तम्बाकू से नाता तोड़ो स्वस्थ जीवन से नाता जोड़ो पर छात्रों को किया जागरुक

देहरादून (संवाददाता)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर से पूर्व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) उत्तराखंड द्वारा देहरादून स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के सहयोग से तम्बाकू रोकथाम व उसके दुष्प्रभावों पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं को तम्बाकू से होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरुक करते हुए स्वाति एस भदौरिया, मिशन निदेशक, एन.एच.एम. द्वारा छात्रों से कहा गया कि हम सभी अपने आसपास के लोगों को तम्बाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करें और उन्हें इस खतरनाक आदत से मुक्ति प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। मिशन निदेशक द्वारा बताया गया कि तम्बाकू किसी भी मात्रा में लेने पर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि उनके आस-पास के लोगों के लिए भी, विशेष रूप से गर्भवती महिलाएं, नवजात शिशुओं व बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। तंबाकू का सेवन कई जानलेवा बीमारियों का कारण बनता है, जिसमें कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों व मस्तिष्क की बीमारियाँ शामिल हैं। कार्यक्रम में मौजूद छात्रों से आग्रह करते हुए मिशन निदेशक द्वारा कहा गया कि बच्चों को किसी नएपन की खोज में तंबाकू को न चुनकर बल्कि किसी साहसिक खेल जैसे बंजी जंपिंग, स्नो स्की, माउंटेन क्लाइंबिंग, आदि को अपनाना चाहिये। हम सभी को साझा संघर्ष करने का निर्णय लेना चाहिए ताकि हम सभी एक स्वस्थ और सकारात्मक समाज की ओर अग्रसर हो सकें। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर हम सभी को तम्बाकू के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक व फ्लैश मॉब के जरिए तम्बाकू रोकथाम पर जागरुक किया गया व साथ ही गणमान्य अतिथियों द्वारा तम्बाकू रोकथाम पर आयोजित पैनल डिस्कशन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया।

दांत दर्द में आराम दिलाएंगे ये 10 घरेलू नुस्खें

वर्तमान समय का खानपान ऐसा हो गया हैं कि आप बिना किसी शारीरिक परेशानी के रह ही नहीं सकते हैं। आए दिन कई विभिन्न तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं जिसमें से एक हैं दांत दर्द। आज के समय में दांत दर्द एक आम समस्या बन गई है। ये कभी-कभी असहनीय हो जाती है।

दांतों में अचानक से दर्द होने के कई वजह हो सकती हैं जैसे दांत में कीड़े या दांतों में सड़न, दांतों की सफाई ना रख पाने, कैल्शियम की कमी, बैक्टीरियल इंफेक्शन या फिर दांतों की जड़ों के कमजोर होने से भी होता है। देखा जाता हैं कि दांतों का यह दर्द उठते ही लोग पेन किलर लेने लग जाते हैं जों कि आपकी सेहत के लिए सही नहीं हैं। इसलिए आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ ऐसे घरेलू उपाय लेकर आए हैं जिनकी मदद से अचानक होने वाले दांत दर्द में आराम पाया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

खारे पानी का कुल्ला-ये दांत दर्द से छुटकारा पाने का सबसे कारगर और आसान तरीका है। आपको बस इतना करना है कि उबलते पानी में नमक डालें, इसे घुलने दें और फिर इस पानी से अपना मुंह कुल्ला करें। ये एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक है और आपके मुंह से पार्टिकल्स को बाहर निकालता है।

अमरूद के पत्ते -यदि आपके घर में या आस-पास कहीं अमरूद का पेड़ है तो दांत में दर्द होने पर आप उस पेड़ से नए और साफ पत्ते तोड़ लें। इन पत्तों को धुलकर साफ करें और फिर धीरे-धीरे चबाएं। अमरूद के पत्ते चबाने से भी दांत का दर्द ठीक हो जाता है। क्योंकि अमरूद के ताजे पत्तों में ऐंटिबैक्टीरियल और ऐंटिइंफ्लामेट्री गुण पाए जाते हैं। इनसे दांद दर्द में राहत मिलती है और दांत की सूजन कम होती है।

ठंडा सेक-अपने दांत दर्द को ठीक करने के लिए एक और आसान उपाय सूजन वाले एरिया को बर्फ से कंप्रेस करना है। जहां आपको दर्द हो रहा हो वहां आइस पैक को दबाएं। आइस पैक उस एरिया को सुन्न कर देगा और दर्द को कम करेगा।

कच्ची प्याज -प्याज ऐंटिसेप्टिक और ऐंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। दांत दर्द होने की स्थिति में आप प्याज को छीलकर उसे काट लें और उसका एक छोटा-सा टुकड़ा दांत के बीच रख लें।

यदि आपको इस तरह मुंह में प्याज का पीस रखने में समस्या आ रही हो तो आप प्याज को कद्दूकस करके उसके रस में रुई को भिगोकर फोहा तैयार कर लें। अब इस फोहे को दांत पर रख लें। आपको आराम मिलेगा।

लौंग-दांत दर्द का इलाज करने का एक प्राचीन तरीका है लौंग। ये बेहद फायदेमंद होती है जिसे प्रभावित एरिया पर रगड़ा जा सकता है। आप लौंग के तेल को निकालकर प्रभावित जगह पर लगा सकते हैं, इससे आपको दर्द से निश्चित रूप से राहत मिलेगी।

हींग-हींग का इस्तेमाल खाने में स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है लेकिन ये कई तरह के घरेलू उपचार में भी फायदेमंद है। अगर आपके दांतों में दर्द है तो चुटकी भर हींग को नींबू के रस में मिलाकर इसे रूई से दांत पर लगाएं। इससे दर्द कम हो जाएगा।

बेकिंग सोडा लगाएं-बेकिंग सोडा में भी एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा डालकर उससे कुल्ला करें। इससे दांत का दर्द कम होता है। इसके अलावा आप गीली रूई में भी थोड़ा सा बेकिंग सोडा छिड़क कर इसे दर्द वाले दांत पर लगा सकते हैं।

हल्दी -हल्दी को एक नेचुरल एंटीबायोटिक माना जाता है। हल्दी, नमक और सरसों के तेल का पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को उस दांत पर लगाएं जिसमें दर्द हो रहा है। हल्दी का ये पेस्ट दांत दर्द में दवा का काम करता है।

लहसुन-लहसुन में नेचुरल एंटीबैक्टीरियल प्रोपर्टीज होते हैं जिनका इस्तेमाल दांतों के दर्द को दूर करने के लिए किया जा सकता है। आप लहसुन को कुचलकर प्रभावित जगह पर लगा सकते हैं या लहसुन के एक टुकड़े को चबा सकते हैं। ये दर्द से राहत देगा और सूजन को कम करेगा।

काली मिर्च-ज्यादा गरम या ठण्डे खाने की वजह से होने वाले दांत दर्द में काली मिर्च तुरंत आराम देता है। इसके लिए काली मिर्च पाउडर और नमक को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसमें कुछ बूंद पानी की डालकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को दर्द वाली जगह पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। इससे दांत दर्द जल्दी ठीक हो जाता है।

सेहत को होंगे ये जबरदस्त फायदे डायट में शामिल करें सलाद

आमतौर पर हम कभी खाने के साथ सलाद खाते हैं लेकिन रोजाना नहीं खा पाते। कई बार तो हफ्ते गुजर जाते हैं और हम सलाद नहीं खा पाते। लेकिन आप सलाद खाने के फायदे जान जाएंगे तो रोजाना सलाद खाएंगे।

*सलाद में एंजाइम्स होते हैं जो हाजमा ठीक करते हैं। खाने को पकाने से एंजाइम्स नष्ट हो जाते हैं क्योंकि 37 डिग्री पर कोई भी एंजाइम बच नहीं पाते। इसलिए फल और सलाद में ही ये एंजाइम्स बरकरार रहते हैं। ऐसे में हर मील के साथ सलाद जरूर खाएं। कम से कम सप्ताह में तीन बार सलाद जरूर खाएं।

*जैसे आप बॉडी की एक्सरसाइज करते हैं वैसे ही सलाद खाने से मसूड़े और दांतों की एक्सरसाइज होती हैं जिससे ये स्वस्थ रहते हैं। जो लोग बिल्कुल भी सलाद नहीं खाते हैं उनके गम्स बिल्कुल भी मजबूत नहीं होते हैं।

* सलाद में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। जब हम सलाद खाते हैं तो प्राकृतिक रूप से फाइबर खाते हैं जिससे शरीर में फाइबर की कमी नहीं होती।

* पाचन तंत्र के लिए भी सलाद बहुत अच्छा होता है।

-इसके अलावा वजन कम करना हो तो भी सलाद खाना चाहिए। यदि आप काफी समय से हेल्दी डायट प्लान कर रहे हैं तो खाने से पहले सलाद खाएं इससे आप खुद ही फूड कम खाएंगे।

-जो लोग नॉनवेज खाते हैं उनके लिए सलाद बहुत फायदेमंद हैं। दरअसल, नॉनवेज में बिल्कुल भी फाइबर नहीं होता और साथ ही नॉनवेज से एसिडिटी होती हैं। ऐसे में नॉनवेज डायट को संतुलित करने के लिए भी सलाद खाना चाहिए।

* सलाद में कैल्शियम, मिनरल्स जैसी चीजें भी पाईं जाती हैं जो शरीर के लिए बहुत जरूरी हैं। रोजाना सलाद खाने से आप हेल्दी और फिट रहेंगे।

इन ट्रिक्स की मदद से करें शॉवर की सफाई

गर्मियों का मौसम आ चुका हैं जिसमें सभी सबसे ज्यादा आनंद लेनेते हैं नहाने का जो शरीर को ठंडक प्रदान करता हैं। इसमें भी कई लोग शॉवर से नहाने का आनंद लेना पसंद करते हैं। ठंड के दिनों में तो कोई शॉवर का इस्तेमाल नहीं करता हैं जिसकी वजह से बहुत दिन काम ना आने की वजह से इसमें पानी जमने की समस्या पैदा हो जाती हैं और शॉवर से पानी धीरे आने लगता हैं जिसकी वजह से नहाने में वह आनंद नहीं आ पाता हैं। शॉवर हेड कई कारणों से ब्लॉक हो सकता है लेकिन मिनरल और जंग का लगना मुख्य कारण हैं जो ब्लॉकेज का कारण बनते हैं। ऐसे में आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ ऐसे घरेलू नुस्खें लेकर आए हैं जिनकी मदद से शॉवर की सफाई की जा सकती हैं और पानी के प्रेशर को बढ़ाया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं इन नुस्खों के बारे में...

बेकिंग सोडा और सफेद सिरका

शावर की सफाई करने की तरकीब आपके किचन में ही मौजूद है। जी हां, बेकिंग सोडा और सफेद सिरका किचन के ही नहीं बल्कि बाथरूम के भी बेस्ट क्लीनिंग एजेंट्स होते हैं। इनकी मदद से आप शावर को आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके अलावा सफाई के लिए एक मोटा रबर बैंड और पॉलीथिन भी ले लें। सबसे पहले बेकिंग सोडा में सिरका डालकर घोल तैयार कर लें। अब इस सॉल्यूशन को पॉलीथिन में डालकर शावर के छेद पर कसकर बांध दें। इसे आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आधे घंटे में ये सॉल्यूशन शावर के छेद में जमा गंदगी को साफ कर देगा।

हार्पिक स्प्रे का इस्तेमाल -अगर शावर में खारा पानी जम गया है तो सबसे पहले नीचे से पानी की सप्लाई बंद करें और इसमें हार्पिक स्प्रे अंदर डालने की कोशिश करें। अगर आप शावर का कैप निकाल पाएं तो उससे स्प्रे डालें अगर नहीं तो ब्रश और कपड़े की मदद इसे शावर के अंदर डालने की कोशिश करें। ध्यान रहे कि नॉजल स्प्रे वाली जाली को निकाल दें। क्योंकि अगर ये लगी रहेगी तो ये मिक्सचर किसी भी तरह से शावर के अंदर नहीं जा पाएगा। आपको इसे 20 मिनट के लिए छोड़ना है और उसके बाद गुनगुने पानी से साफ करना है। ध्यान रहे जंग के समय आप नॉर्मल पानी इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन खारे पानी को साफ करने के लिए गुनगुना पानी लें ताकि इसमें केमिकल रिएक्शन हो और नल साफ हो।

20 दिनों में 2461 घोड़े- खच्चरों का स्वास्थ्य परीक्षण, नियमों के उल्लंघन पर 146 का चालान

रुद्रप्रयाग (सूचना)। श्री केदारनाथ धाम यात्रा शुरू हुए 20 दिन पूरे हो चुके हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से यात्रा अभूतपूर्व रूप से संचालित हो रही है। देश-विदेश से बाबा केदारनाथ के दर्शनों को पहुंच रहे श्रद्धालुओं कोई असुविधा न हो इसके लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है तथा सुव्यवस्थित यात्रा संचालन हेतु लगातार प्रयास कर रहा है। पैदल मार्ग पर यात्रा सुचारू एवं सुव्यवस्थित हो यह जिला प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस प्रशासन, यात्रा मैनेजमेंट फोर्स सहित अन्य संबंधित अधिकारी लगातार पैदल मार्ग पर प्रतिदिन निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार कर व्यवस्था दुरुस्त करने में लगे हैं। श्री केदारनाथ मार्ग पर घोड़ा-खच्चर संचालन का मैनेजमेंट सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। घोड़ा-खच्चरों के कारण यात्रा बाधित न हो इसके लिए इस वर्ष रोटेशन के आधार पर अधिकतम 5000 घोड़े एक बार में यात्रा मार्ग पर संचालित कराए जा रहे हैं। जिसमें से 1000 घोड़े माल ढोने के लिए रिजर्व रखे गए हैं। मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति पैदा न हो इसके लिए जिला प्रशासन ने घोड़े-खच्चरों के मुख्य मार्ग पर विश्राम पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया हुआ है। मुख्य मार्ग से 50 मीटर दूरी पर ही घोड़े-खच्चर रोके जा सकते हैं। घोड़ा-खच्चर यूनियन भी इन नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन कुछ हॉकर बावजूद इसके मुख्य मार्ग एवं इसके नजदीक घोड़े-खच्चर खड़े कर रहे हैं। जिससे पैदल मार्ग में संकरे स्थान पर जाम जैसी स्थिति पैदा होने के साथ ही गंदगी होती है। यात्रियों को ऐसी किसी परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए निरीक्षण के साथ ही लगातार चालान एवं घोड़े-खच्चर पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। साथ ही यात्रियों के लिए बनाए गए शेड में घोड़े-खच्चर बंधे मिलने पर भी चालान एवं घोड़े-खच्चर पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आशीष रावत ने बताया कि यात्रा शुरू होने से आज तक यात्रा मार्ग पर 2461 घोड़े का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा चुका है। बीमार या चोटिल होने पर 685 घोड़े-खच्चरों का उपचार किया जा चुका है।

गांधी जी के बारे में बयानबाजी कर पीएम मोदी ने अपनी विक्षिप्त मानसिकता का परिचय दिया: माहरा

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में की गई अनर्गल बयानबाजी पर कडी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश की आजादी के महानायक जिनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन मे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने आजादी की लडाई लडी तथा जिनकी बदौलत आज हम आजाद देश में सांस ले रहे हैं उन महात्मा गांधी के प्रति भारतवासी ही नहीं अपितु दक्षिण अफ्रीका के लोग भी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। ऐसे युगपुरूष के बारे में जिस प्रकार भारत के प्रधानमंत्री जैसे उच्च पद पद बैठे व्यक्ति द्वारा बयान दिया गया उससे आज पूरा राष्ट्र शर्मसार है।

करन माहरा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि जब भी विश्व के महापुरुषों की गिनती होती है उसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सर्वोच्च स्थान पर पाकर भारतवासी अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं उनके बारे में नरेन्द्र मोदी का ज्ञान हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बार बार कहती है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता गांधी जी की विचारधारा में नहीं बल्कि गोडसे की विचारधारा में विश्वास करते हैं इसीलिए भाजपा नेताओं द्वारा आज देश का संविधान बदलने की बात की जा रही है ताकि वे देश की जनता पर गोडसे और आरएसएस की विचारधारा को थोप सकें।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी को "राष्ट्रपिता" कहने का स्रोत पहली बार सुभाष चंद्र बोस ने दिया था। सुभाष चंद्र बोस ने गांधी जी को "राष्ट्रपिता" कहकर सम्मानित किया था क्योंकि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था और वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता थे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश की आजादी के लिए अपना पूरा जीवन न्यौछावर कर दिया था वहीं बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर समतामूलक समाज के परिचायक थे तथा उन्होने भारत के संविधान निर्माण में प्रमुख भूमिका का निर्वहन करते हुए भारत निर्माण की मजबूत नींव रखी थी। परन्तु आज जिस प्रकार भाजपा नेताओं द्वारा देश के महानायकों को अपमानित किया जा रहा है वह उनकी फांसीवादी सोच को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा देश के महानायकों को अपमानित कर भारत के संविधान और इतिहास को मिटाकर अपने मन का इतिहास और संविधान लिखना चाहती है परन्तु भाजपा का यह सपना कभी पूरा नहीं होगा।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी ने कहा कि भाजपा नेता नरेन्द्र मोदी ने गांधी के बारे में बयानबाजी कर अपनी विक्षिप्त मानसिकता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री जैसे पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा इस प्रकार की मानसिकता का परिचय दिया जाना उनकी विक्षिप्त मानसिकता का परिचायक ही कहा जायेगा। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी का ज्ञान पूरा राष्ट्र जानता है वे सत्ता के मद में इतने चूर हैं कि उन्हें भारत की आजादी के नायकों का बलिदान नजर नहीं आ रहा है तथा वे युगपुरूषों के बारे में अनर्गल बयानबाजी करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त महिला तस्कर गिरफ्तार

देहरादून। मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त एक महिला तस्कर को दून पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। अभियुक्ता के कब्जे से मादक पदार्थ 527 ग्राम गांजा बरामद हुआ हैं।

पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लीये प्रभावी चौकिंग सुनिश्चित करने तथा अवैध नशा तस्करी में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश निर्गत किये गये हैं। उक्त निर्देशों के अनुपालन में आवास विकास के खाली प्लॉट रिस्पना नगर के पास से आकास्मिक चेकिंग के दौरान एक अभियुक्ता गीता पत्नी राजू निवासी सपेरा बस्ती रिस्पना पुल थाना नेहरू कालोनी देहरादून उम्र 50 वर्ष को अवैध मादक पदार्थ 527 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्ता के विरुद्ध थाना नेहरू कॉलोनी में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 के विजन को साकार करने के लिये वरिष्ठ

सीएस ने जिलाधिकारियों को निवेश प्रस्तावों के कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म को दस दिनों में निस्तारित करने की डेडलाइन दी

देहरादून (संवाददाता)। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारियों को जिला स्तर पर लंबित नए निवेश प्रस्तावों के कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म को दस दिनों में निस्तारित करने की डेडलाइन दी है। इसके साथ ही सीएस ने सभी जिलाधिकारियों को नए निवेश प्रस्तावों के द्वितीय स्तर के अनुमोदन को भी 30 दिन के भीतर निस्तारित करने का अल्टीमेटम दिया है। निवेशकों की विभिन्न विभागों से सम्बन्धित शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए राधा रतूड़ी ने राजस्व, शिक्षा, यूपीसीएल तथा जिला प्रशासन को शिकायतों के तत्काल निस्तारण के कड़े निर्देश दिए है। निवेशकों की शिकायतों के निस्तारण में विलम्ब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव ने इस पर तत्परता से शीर्ष प्राथमिकता पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों से नए निवेश प्रस्तावों के कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म के लंबित होने के कारणों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने राज्य स्तर पर महानिदेशक एव आयुक्त उद्योग को भी निवेशकों के लंबित कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म के तत्परता से निस्तारण के निर्देश दिए है।

बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य स्तर पर विभिन्न कारणों से 75 निवेश प्रस्ताय लंबित है. जिनके निस्तारण की कार्यवाही गतिमान है। जिला स्तर पर 38 कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म विभिन्न कारणों से लंबित है, जिनके निस्तारण की कार्यवाही गतिमान है। जिला स्तर पर अभी तक कुल 1174 कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म अनुमोदित किए जा चुके है। जिला स्तर पर द्वितीय स्तर पर अनुमोदन हेतु 787 निवेश प्रस्ताव लंबित है जिनके निस्तारण की कार्यवाही गतिमान है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में सचिवालय में 61वीं राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव आर मीनाक्षी सुन्दरम, विनय शंकर पाण्डेय सहित उद्योग विभाग के अधिकारी तथा वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी मौजूद रहे।

नशे के आदि भाई ने दूसरे भाई को उतारा मौत के घाट

काशीपुर (संवाददाता)। नशे के आदी युवक और उसके परिजनों के बीच पैसे को लेकर विवाद हो गया है। विवाद में एक भाई ने दूसरे भाई पर ईंट से हमला करके उसे मौत के घाट उतार दिया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी भाई की तलाश शुरू की। बताया जा रहा है कि आरोपी ने अपनी मां से 5000 रुपए मांगे थे। मां के पास न होने के कारण उसने पैसे देने से मना कर दिया, जिससे आरोपी ने अपनी मां और भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी। काशीपुर के कटोराताल कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पक्ककोट निवासी दयावती के पांच बेटे और एक बेटी, जिनमें से दो बेटों की मौत हो चुकी है। वर्तमान में राम सागर, श्याम सागर और सूरज सागर तीन पुत्र हैं। राम और श्याम दोनों नशे के आदी हैं और कोई काम नहीं करते हैं। बीती रात्रि 24 वर्षीय श्याम अपनी मां दयावती से ?5000 मांग रहा था। दयावती के पास पैसे ना होने का कारण, जब उसने पैसे देने से मना कर दिया। पैसे न मिलने पर श्याम ने अपनी मां दयावती और भाई राम के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान श्याम ने अपने जुड़वा भाई राम के सिर पर ईंट से प्रहार कर दिया, जिससे राम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में राम को उसका भाई सूरज और अन्य परिजन राजकीय चिकित्सालय लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बहरहाल मामले में पुलिस आरोपी भाई की गिरफ्तारी में जुट गई है।

मखलोगा को जयंती पर याद किया

नई टिहरी। प्रजा मंडल के समय में विधायक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्व.भाग सिंह मखलोगा की १०१वीं जयंती पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गुरुवार को यहां कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं से उनके आदर्श जीवन में उतारने की अपील की। कहा कि स्व. मखलोगा और उनके साथियों ने श्रीदेव सुमन के साथ टिहरी राजशाही से जनता को मुक्ति दिलाने के लिए संघर्ष किया। प्रजा मंडल के विधायक रहने के साथ ही वह लंबे समय तक चंबा ब्लॉक के ग्राम चामनी के प्रधान और दो बार चंबा के ब्लॉक प्रमुख रहे। इस दौरान स्व. मखलोगा के पुत्र हरि सिंह मखलोगा को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष साब सिंह सजवाण, पूर्व पालिकाध्यक्ष पीयूष उनियाल, सूरज राणा, विक्रम पंवार, सुमना रमोला, पूर्व प्रमुख सोबन सिंह नेगी, अरविंद मोहन सकलानी, शक्ति प्रसाद जोशी, शिवी भंडारी, गीता खणका, उत्तम नेगी, विरेंद्र पुंडीर, बचन लाल, विजय सिंह नेगी, दौलत नेगी, मूर्ति मनोहर, जय विजय मखलोगा मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार संपन्न, पीएम मोदी, मनमोहन सिंह समेत अन्य दिग्गजों ने मांगे वोट

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण के लिए चुनाव प्रचार गुरुवार शाम समाप्त हो गया। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव का प्रचार भी थम गया है। सातवें और अंतिम चरण में 57 सीटों पर 1 जून को मतदान है।

इस चरण में 8 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 904 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इस चरण के बाद 4 जून को नतीजों की घोषणा की जाएगी।

सातवें चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लडऩे वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 16 है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पीएम नरेंद्र मोदी ध्यान लगाने कन्याकुमारी पहुंच चुके हैं।

अंतिम दौर में जो उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, उनमें वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हैं। हिमाचल की मंडी सीट से अभिनेत्री कंगना रनौत भाजपा की उम्मीदवार हैं। इस सीट से उनके खिलाफ कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह मैदान में हैं।

पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी सातवें चरण में उम्मीदवार हैं। पंजाब में कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार में भोजपुरी कलाकार पवन सिंह, ऊर्जा मंत्री आरके सिंह मैदान में हैं। इसके अलावा मिर्जापुर से अनुप्रिया पटेल, चंदौली से महेंद्रनाथ पांडेय और हमीरपुर लोकसभा सीट से अनुराग ठाकुर चुनाव लड़ रहे हैं।

सातवें एवं आखिरी चरण में बिहार की 8 सीटों पर लोकसभा चुनाव होना है। इसके अलावा चंडीगढ़ की 1 और हिमाचल प्रदेश की चारों संसदीय सीटों पर मतदान होना है। इनके अलावा झारखंड की 3, ओडिशा की 6 और पंजाब की सभी 13 सीटों पर भी सातवें और अंतिम चरण में ही मतदान होना है।

इस चरण में उत्तर प्रदेश की 13 और पश्चिम बंगाल की 9 सीटों पर भी मतदान होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए देशभर में पिछले 75 दिनों में 206 चुनावी रैलियां, रोड शो एवं चुनाव से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम और 80 से ज्यादा मीडिया साक्षात्कार दिए हैं।

अंतिम चरण में पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह ने मतदाताओं से कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की। पंजाब में वोटिंग से ठीक पहले मनमोहन सिंह ने कहा कि कांग्रेस ही देशवासियों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर सकती है। मनमोहन सिंह ने पंजाब के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे विकास और समावेशी प्रगति के लिए वोट दें।

उन्होंने पंजाब के मतदाताओं से शांति, भाईचारे और सद्भाव को अवसर देने की अपील की है। उन्होंने पंजाब के मतदाताओं को एक पत्र लिखा है। अपने इस पत्र में उन्होंने सशस्त्र बलों पर अग्निवीर योजना को जबरन थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्र के जरिए कहा कि बीजेपी की सोच यह है कि देशभक्ति, और सेवा का मूल्य केवल चार साल है। यह उनके नकली राष्ट्रवाद को दिखता है।

उत्तर प्रदेश में गर्मी का कहर, लू की चपेट में आने से अब तक 51 लोगों की मौत

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर भारत के अधिकांश हिस्से में इनदिनों प्रचंड गर्मी पड़ रही है. गर्मी की आलम ये है कि अब इससे मौत होने की खबरें भी सामने आने लगी हैं. उत्तर प्रदेश में भी गर्मी तांडव मचा रही है.

रिपोर्ट के मुताबिक, बुंदेलखंड में लू की चपेट में आने से बुधवार को 31 लोगों की मौत हो गई. सबसे ज्यादा लोगों की जान महोबा में हुई. जहां आठ लोग लू लगने से काल के गाल में समा गए. इसके बाद हमीरपुर में सात तो चित्रकूट में 6 लोगों की मौत लू की चपेट में आने से हुई है. वहीं फतेहपुर में पांच, बांदा में तीन और जालौन में लोगों की मौत लू लगने से हुई है. बताया जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर लोग किसी काम के चलते घर से बाहर निकले थे और रास्ते में अचेत होकर गिर गए. अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया. वहीं बहराइच में लू लगने से नानपारा और कैसरगंज इलाके में दो लोगों की मौत की खबर है. वहीं प्रयागराज में लू की चपेट में आने से एक दरोगा समेत चार लोगों की मौत हुई है. वहीं दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में मेरठ के रहने वाले एक बुजुर्ग की लू लगने से मौत हो गई. इसके अलावा बलिया में एक महिला की जान गई है तो वहीं वाराणसी में छह, मिर्जापुर में तीन, आजमगढ़, जौनपुर और सोनभद्र में एक-एक की मौत लू की चपेट में आने से हुई है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इन सभी लोगों की मौत लू लगने से हुई है. हालांकि, मौत की पुष्टि के लिए सभी शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है. जिसेस मरने की सही वजह सामने आ सके.

बुधवार को उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में लू चली. वहीं जिन इलाकों में लू नहीं रही. वहीं गर्मी हवाओं ने लोगों को लू का एहसास कराया. कल यानी बुधवार को प्रयागराज में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया. जबकि कानपुर में पारा 48.4 डिग्री दर्ज किया गया. आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, बुधवार को भीषण गर्मी के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री अधिक रहा. जबकि रात में तापमान सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया. मौसम विभाग के मुताबिक, यूपी के तीन शहरों कानपुर, सुल्तानपुर और फुरसतगंज में मई के महीने में इतनी गर्मी कभी नहीं पड़ी. फुरसतगंज में पारा कभी 47 डिग्री नहीं पहुंचा. जो इस बार 47.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया. जबकि बुधवार को कानपुर में तापमान 48.4 और सुल्तानपुर में पारा 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

दहेज प्रथा के खिलाफ चलाएं अभियान : हाईकोर्ट

प्रयागराज ,एजेंसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि जब दहेज लेना व देना दोनों अपराध है और आयकर विभाग दो लाख से अधिक नकद देने को अवैध मानता है तो केवल लाखों का दहेज मांगने संबंधी बयान पर आर्थिक स्रोतों की जांच बगैर पुलिस परिवार के खिलाफ चार्जशीट कैसे दाखिल कर रही है।

किसी अवैध कमाई को दहेज में देने के आरोप पर उसकी वसूली कैसे की जा सकती है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने सरकार को दहेज प्रतिषेध कानून के उपबंधों को कड़ाई से लागू करने का आदेश देते हुए कहा है कि जिला प्रतिषेध अधिकारी को दहेज के आरोपों की जांच कर अभियोजन की संस्तुति करने या अभियोजित करने दिया जाए। दोनों पक्ष शादी के समय वर-वधू को मिले उपहारों की सूची एक माह में दहेज निषेध अधिकारी को सौंपे। न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान ने अंकित सिंह व तीन अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया है। अगली सुनवाई 16 जुलाई को होगी। कोर्ट ने सरकार को मीडिया, टीवी, एनजीओ की सहायता से दहेज के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है और कहा है कि दहेज के खिलाफ होर्डिंग्स लगाई जाए तथा दहेज विरोधी कैंपेन चलाया जाए। कोर्ट ने मुख्य दहेज प्रतिषेध अधिकारी से हलफनामा मांगा है कि पिछले दो वर्ष में जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी के समक्ष कितनी शिकायतें आई और कितनों का अभियोजन किया गया।

नकद दहेज के आरोप पर देने वाले की आर्थिक स्थिति की जांच की गई या नहीं। कोर्ट ने विवाह पंजीकरण के समय उपहारों की सूची की अनिवार्यता संबंधी सरकारी कदम की सराहना की है। कोर्ट ने कहा है कि उपहारों की सूची सौंपने संबंधी कानून का कड़ाई से सरकार पालन कराए। कोर्ट ने सीएमएम कानपुर नगर के समक्ष याची के विरूद्ध चल रहे मुकदमे पर रोक लगा दी है।

निदेशक महिला कल्याण ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि जिला प्रोबेशन अधिकारी को ही जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी नामित किया गया है। धारा 8बी में स्पष्ट है कि विवाह के एक महीने के अंदर वर-वधू को मिले उपहारों की सूची दहेज प्रतिषेध अधिकारी को सौंपी जाएगी। इसे सुरक्षित रखा जाएगा और एक रजिस्टर रखा जाएगा। अधिकारी पर कानूनी उपबंधों के पालन की जिम्मेदारी होगी।

कोर्ट ने कहा दहेज के आरोप के केस बढ़ रहे हैं और किसी में उपहारों की सूची का उल्लेख नहीं किया जा रहा है जबकि कानून में वर वधू पक्ष के हस्ताक्षर से उपहारों की सूची देना बाध्यकारी है। कोर्ट ने आईजी (पंजीकरण) के बिना उपहार सूची विवाह पंजीकृत न करने के निर्देश को स्वागत योग्य कदम बताया। इसके साथ ही कहा कि इससे झूठे दहेज के केसों में कमी आएगी।

कोर्ट को बताया गया कि सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया जा रहा है कि सभी सरकारी सेवक अपनी शादी में उपहारों की सूची देंगे। निदेशक (महिला कल्याण) ने 26 नवंबर को दहेज निषेध दिवस के रूप में मनाए जाने का आदेश जारी किया है। दहेज प्रतिषेध अधिकारी को दहेज के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोर्ट ने कहा कि दहेज विरोधी कानून बने 62 वर्ष बीत गए, अभी भी उसका पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है।

सोना तस्करी में शशि थरूर के पीए की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत

नई दिल्ली,एजेंसी । कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से सांसद शशि थरूर के निजी सहायक (पीए) शिव कुमार का नाम विदेश से सोना तस्करी में आने के बाद इस मामले पर सियासत गरमा गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस मामले में इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस सांसद ने उसे अपना पूर्व कर्मचारी बताते हुए कहा है कि वह किसी गलत काम को प्रश्रय नहीं देते हैं और जांच में पूरा सहयोग करेंगे। शिव कुमार को कस्टम अधिकारियों ने बुधवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी में कथित संलिप्तता के कारण हिरासत में लिया था। उन्होंने हवाई अड्डे के अराइवल हॉल में बैंकॉक से आये एक यात्री से 500 ग्राम की सोने की चेन ली थी। इस सोने का मूल्य 35 लाख रुपए से ज्यादा बताया जा रहा है। मंत्री चंद्रशेखर ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, इससे पहले सोना तस्करी के मामले में केरल के मुख्यमंत्री के कार्यालय में कार्यरत एक महिला कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया था और अब कांग्रेस सांसद के पीए को हिरासत में लिया गया है। ध्यान देने वाली बात है कि कांग्रेस और माकपा दोनों ही इंडिया गठबंधन के सदस्य हैं, जो कि सोना तस्करी में संलिप्त पाए गए हैं। इससे पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के कार्यालय के आईटी विभाग में कार्यरत स्वपन्ना सुरेश को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल, वह जमानत पर जेल से बाहर हैं, लेकिन मामला अभी-भी न्यायालय में विचाराधीन है, जिसका जिक्र कर राजीव चंद्रशेखर ने अपने में किया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस संबंध में एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, मैं चुनाव प्रचार के लिए धर्मशाला में हूं। मैं मेरी स्टाफ टीम के पूर्व सदस्य से जुड़ी घटना के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं, जो एयरपोर्ट पर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सहायक के रूप में मेरे लिए पार्ट टाइम सेवाएं दे रहे हैं। वह 72 साल के सेवानिवृत्त व्यक्ति हैं जिनकी नियमित डायलिसिस होती है। उन्हें अनुकंपा के आधार पर पार्ट-टाइम रखा गया था। मैं किसी कथित गलत काम के लिए माफी नहीं दे रहा और अधिकारियों द्वारा मामले की जांच के सिलसिले में किसी भी जरूरी कार्रवाई के लिए उनके प्रयासों में पूरा समर्थन देता हूं। कानून को अपना काम करना चाहिए। कस्टम विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि बैंकॉक से उड़ान संख्या टीजी 323 से 29 मई को आये एक भारतीय नागरिक पर शक के आधार पर सोने की तस्करी का मामला दर्ज किया गया।

नकली दवा कंपनियों पर ड्रग विभाग की बड़ी कार्रवाई

3 साल में 72 लोगों के खिलाफ केस दर्ज, 32 लोगों को भेजा जेल

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड में नकली दवाईयों के कारोबारियों के खिलाफ खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का अभियान लगातार जारी है। चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर विभाग द्वारा गहन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। यात्रा मार्गों के साथ ही ड्रग विभाग की टीमें पयर्टन स्थलों में स्थित मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी के साथ ही दवा कंपनियों का भी औचक निरीक्षण कर रही हैं। आयुक्त, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग डॉ आर राजेश कुमार पूरे अभियान की लगातार मॉनिटरिंग करने के साथ अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दे रहे हैं।

दवाईयों के 281 सैंपल में से 47 सैंपल फेल

अपर आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग व ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिह जग्गी ने बताया कि नकली दवा माफियों के खिलाफ विभाग का अभियान लगातार जारी है। चारधाम यात्रा व पर्यटन सीजन को देखते हुए गहन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नकली दवा कारोबारियों के खिलाफ ड्रग विभाग ने बड़ी कार्रवाईयां की है। रूड़की और उधमसिंहनगर में नकली दवा के ज्यादा मामले सामने आये हैं। पिछले 03 साल में 72 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किये गये हैं और 32 लोगों को जेल जाना पड़ा। इसके साथ ही कुल बेस्ड निरीक्षण के मामले 71, कुल निलम्बित निर्माण लाईसेंस 14, कुल निरस्त निर्माण लाइसेंस 04, कुल निरस्त औषधियों के अनुमोदन 63 के साथ ही निर्माण इकाईयों के सामान्य निरीक्षण 223 किये गए। उन्होंने बताया कि दिसम्बर 2023 से मार्च 2024 तक राज्य में ब्रिकय की जा रही औषधि की गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने को लेकर जगह-जगह से 281 सैंपल लिए गये जिनमें से 47 सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे। जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

राज्य की सीमा व अर्न्तराष्ट्रीय सीमाओं पर निगरानी

अपर आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग व ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिह जग्गी ने बताया कि दवा निर्माताओं के साथ ही दवाईयों के थोक व फुटकर विक्रेताओं पर भी कार्यवाही की जा रही है। विभाग दवाईयों पर अनावश्यक छूट देने वाले रिटेलर पर निगरानी रख रहा है। दवाईयों पर अनावश्यक छूट देने वाले रिटेलर पर निगरानी डिस्ट्रीब्यूटर एवं होलसेलर को केवल बिल पर ही दवाईयां विक्रय किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। सूचना, शिक्षा, व जन जागरूकता के माध्यम से जागरूकता बढ़ाये जाने का कार्य किया जा रहा है। राज्य में समस्त रिटेल शॉप पर कैमरे लगाने अनिवार्य किये गये हैं। राज्य में विभिन्न स्तर पर मन: प्रभावी दवाईयों के भण्डारण की सीमा निर्धारित की गयी है। राज्यों की सीमा एवं अर्न्तराष्ट्रीय सीमाओं पर भी विभाग द्वारा दवाईयों की आपूर्ति पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों की कमी के कारण सप्लाई चेन पन निगरानी व नियंत्रण रखने में थोड़ा परेशानी आ रही है लेकिन विभाग द्वारा पूरे प्रयास किये जा रहे हैं।

देहरादून लैब में भी हो रही दवाओं की जांच

अपर आयुक्त खाद्य और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि दवाओं और कास्मेटिक उत्पादों की जांच रुद्रपुर के अलावा देहरादून में की जा रही है। यहां अत्याधुनिक मशीनों से सुविधा युक्त लैब है। इसमें वेट लैब, माइनर और मेजर, कास्मेटिक और माइक्रो लैब की सुविधा मौजूद है। यहां जांच के साथ आनलाइन सर्टिफिकेशन की सुविधा है। अपर आयुक्त के मुताबिक आम लोग भी यहां मिलावट की जांच करा सकते हैं। उन्हें इसके लिए लैब चार्ज देना होगा। यात्रा मार्ग पर स्वच्छता और दवाओं की गुणवत्ता की भी जांच की जा रही है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीमें लगातार सैंपलिंग कर रही हैं। जांच के लिए एक मोबाइल लैब भी बनाई गयी है। अपर खाद्य आयुक्त और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि यात्रा मार्ग दवाइयों के 156 सैंपल लिए गये जो कि ठीक पाए गये हैं। चारधाम यात्रा मार्ग से एकत्रित किये गये सैंपल की जांच रुद्रपुर लैब में की जा रही है। यह जांच प्राथमिकता से हो रही है।

फूड लाइसेंस पर बनाया जा रहा था मल्टीविटामिन

अपर खाद्य आयुक्त और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि कई दवा कंपनी में फूड लाइसेंस पर मल्टीविटामिन बनाए जा रहे थे। छापेमारी में मल्टीविटामिन के कैप्सूल और टेबलेट मिले। सैंपल की जांच में मल्टीविटामिन में दवाओं के सॉल्ट पाए जाने पर इनके विरुद्ध कार्रवाई की गई। कंपनी का सील कर दिया गया। टीम ने फैक्टरी कर्मियों से औषधि निर्माण का लाइसेंस दिखाने के लिए कहा। कर्मचारियों ने टीम को फूड लाइसेंस दिखाया।

नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं का स्टाक तय

अपर खाद्य आयुक्त और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि राज्य सरकार ने नशे के रूप में उपयोग में लाई जाने वाली नारकोटिक और साइकोट्रापिक दवाओं का स्टाक पहले ही तय कर रखा है। अब मेडिकल स्टोर व सप्लायर इन दवाओं की बिक्री मनमाने ढंग से नहीं कर पाएंगे। होलसेलर व रिटेलर को तय मात्रा से अधिक दवा रखने की इजाजत नहीं होगी और उन्हें बिक्री का हिसाब भी रखना होगा।

लाइसेंस निरस्त करने के साथ होगी कार्रवाई

अपर खाद्य आयुक्त और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि राज्य में अब कोई भी मेडिकल स्टोर या स्टाकिस्ट तय सीमा से अधिक दवाओं का स्टाक नहीं रख सकता। यदि कोई ऐसा करते हुए पाया गया तो लाइसेंस निरस्त करने के साथ ही अन्य कार्रवाई भी की जाएंगी।

आदेश में कुल 13 दवाओं का स्टाक तय

ड्रग कंट्रोलर की ओर से जारी आदेश में कुल 13 दवाओं का स्टाक तय किया गया है। इसमें एल्प्राजोलाम, ट्रामाडोल, ट्रामाडोल इंजेशक्शन, कोडीन, पेंसिडिल, डाइजेपाम, डाइजेपाम इंजेक्शन, क्लोनाजेपाम, पेंटाजोनिक, निट्रेजापाम, निट्रेजापाम इंजेक्शन आदि को इस श्रेणी में शामिल किया गया है। इन दवाओं का नया स्टाक तभी मंगाया जा सकेगा जब पहले का उपयोग हो गया हो और उसके उपयोग की पूरी जानकारी दे दी जाए।

रिटेल में दवा विक्रेता इन दवाओं की अब 10 से 15 वायल और 20 के करीब स्ट्रिप रख सकेंगे।

फलों की भी होगी जांच

अपर खाद्य आयुक्त और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि फलों को लेकर कैलिशियम कार्बोइड के प्रयोग, मिलावट और इंजेक्शन लगाने की शिकायतें मिल रही हैं। इसके मद्देनजर खाद्य निरीक्षकों को पूरे यात्रा मार्ग पर भी फलों में मिलावट की जांच के आदेश दिये गये हैं। हरिद्वार, श्रषिकेश में छापेमारी अभियान शुरू होने जा हरा है। 31 मई से यात्रा मार्ग पर गहन छापेमारी अभियान चलाया जाएगा और फलों की जांच की जाएगी। यात्रा मार्गों से सैंपल लेकर जांच के लिए लैब में भेजे जायेंगे। जांच में दोषी पाये जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

विकासनगर में पनीर के सैंपल फेल, होगी कार्रवाई

खाद्य और औषधि प्रशासन ने हाल में विकासनगर के धर्मावाला में एक पनीर विक्रेता के यहां से पनीर के सैंपल लिए थे। यहां विभाग ने 5 से 6 क्विंटल पनीर बरामद किया था। लैब से मिली रिपोर्ट के मुताबिक पनीर में मिलावट पाई गयी है। अपर खाद्य आयुक्त और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी का कहना है कि उक्त पनीर संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

पूरे प्रदेश में बिजली-पानी का संकट सरकार चुनाव प्रचार में मस्तः धस्माना

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य भर में भयंकर पानी बिजली का संकट है और राज्य सरकार के मुखिया से लेकर तमाम मंत्रीगण अन्य प्रदेशों में जा कर चुनाव प्रचार में मस्त हैं यह बात आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। प्रदेश सरकार पर बरसते हुए उन्होंने कहा कि राजधानी देहरादून में आज हर इलाके में बिजली हर आधे एक घंटे में गुल हो रही और पूरे महानगर समेत ग्रामीण इलाकों में भी पीने का पानी का संकट गहराता जा रहा है और सरकार या तो अन्य प्रदेशों में चुनाव प्रचार में मस्त है या केवल बैठकें कर औपचारिकता पूरी कर रही है। श्री धस्माना ने कहा कि अभी तक जंगलों में लगी आग पर काबू नहीं पाया गया और जिस तरह से लगातार तापमान बढ़ रहा है उससे आने वाले दिनों में बिजली पानी का संकट विकराल रूप ले सकता है। श्री धस्माना ने कहा कि बांदल नदी , बीजापुर व मासिफाल से पानी आधे से कम हो गया है जहां से देहरादून की जलापूर्ति होती है और इसका प्रमुख कारण पेड़ों का अंधाधुंध कटान और अनियोजित निर्माण है जिसके लिए पूरी तरह से सरकार की विकास एजेंसियां हैं। श्री धस्माना ने कहा कि आज राज्य के सभी पर्वतीय जिले गंभीर पानी व बिजली का संकट झेल रहे हैं और इसकी जिम्मेदार भाजपा की डबल इंजिन सरकार है जिसने समय रहते इन संभावित संकटों से निपटने की कोई योजना नहीं बनाई।

वन अपराधों में पकड़ी गई गाड़ियां सरकारी संपत्ति घोषित

हल्द्वानी (संवाददाता)। तराई पूर्वी वन विभाग अंतर्गत वन अपराधों में लिप्त 10 गाड़ियों को विभाग ने सरकारी संपत्ति यानी राजसात कर दिया है। जिसके तहत अब विभाग इन गाड़ियों को नीलामी करने जा रहा है। डीएफओ तराई पूर्वी वनप्रभाग हिमांशु बागड़ी ने बताया वन अपराध में पकड़े गए इन सभी वाहनों का नीलम होना है। यह अवैध खनन और अवैध लकड़ी तस्करी में पकड़े गए हैं। वाहनों को राजसात (सरकारी संपत्ति) घोषित कर दिया है। इन वाहनों को भारतीय वन अधिनियम 1027 के तहत राजसात घोषित करने की कार्रवाई की गई है। साथी इन गाड़ियों का परिवहन विभाग से मूल्यांकन भी कराया गया है। मूल्यांकन के आधार पर गाड़ियों की नीलामी की जाएगी। उन्होंने बताया आचार संहिता खत्म होते ही गाड़ियों को नीलामी करने की कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए सभी वाहन अपराध से जुड़े हुए हैं। गाड़ी मालिकों को कई बार नोटिस के माध्यम से अवगत कराया गया। उनके द्वारा जुर्माना नहीं जमा किया गया। गौरतलब है कि तराई पूर्वी वन प्रभाग अंतर्गत कई नदियां आती हैं, नदियों से अवैध खनन के मामले सामने आते रहते हैं। जहां वन विभाग इन अवैध खनन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई भी करता है। इसके अलावा लकड़ी तस्कर भी तस्करी में गाड़ियों का प्रयोग करते हैं। पकड़े जाने पर वन विभाग इन गाड़ियों को जब्त कर कानूनी कार्रवाई करता है। डीएफओ हिमांशु बागड़ी ने बताया वन अधिनियम के अंतर्गत जो केस दर्ज किए जाते हैं जिसमें वन उपज या उप खनिज का अवैध खनन व परिवहन करते हुए पकड़े गए वाहन शामिल होते हैं।

सालाना आधार पर डबल डिजिट ग्रोथ के साथ उत्तराखंड रहा अव्वल

देहरादून, ब्यूरो। देहरादून में अमेजन.इन ने होम, एवं किचन एवं आउटडोरस कारोबार में सालाना आधार पर डबल डिजिट की ग्रोथ दर्ज की है और हैवेल्स, बजाज, अगारो, मिल्टन और प्रेस्टीज सबसे पसंदीदा ब्रांड के रूप में उभरे हैं। इतना ही नहीं, देहरादून और उत्तराखंड में अमेजन.इन पर नए ग्राहकों की संख्या में 10 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली है। इन क्षेत्रों में, ग्राहकों का झुकाव सेहतमंद, सुविधाजनक और स्मार्ट जीवनशैली की ओर है। यही कारण है कि यहां रोबोटिक वैक्यूम, जिम फिटनेस एक्सेसरीज, मेटालिक कुकवेयर आदि जैसे प्रोडक्ट की मांग में जोरदार तेजी आई है। भारत के प्रमुख कैंपिंग स्थलों में से एक, उत्तराखंड में स्लीपिंग बैग की मांग में सालाना आधार पर 50: से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। देश में हमेशा से क्रिकेट को लेकर दीवानगी देखने को मिली है, इसी के चलते, अमेजन.इन को क्रिकेट बैट और किट की बिक्री में उत्तराखंड में सालाना आधार पर 100 प्रतिशत की, वहीं देहरादून में 130 प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ देखने को मिली है। लखनऊ और चंडीगढ़ में होम एंड किचन एक्सपीरियंस एरेना के सफल आयोजन के बाद, अमेजन.इन को देहरादून में भी दिनभर चले इस कार्यक्रम को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। यहां फर्नीचर, होम एसेंशियल, किचन एवं अप्लायंसेस, होम डेकोर एवं लाइटिंग, स्पोर्ट एवं फिटनेस, इलेक्ट्रिक वाहन, ऑटो एक्सेसरीज, आउटडोर और बागवानी जैसी विभिन्न कैटेगरी में प्रोडक्ट पेश किए गए हैं। अपनी तरह के इस खास कार्यक्रम ने मीडिया और हमारे भागीदारों को भी अमेजन इंडिया की लीडिरशिप से बातचीत करने के साथ ही अपने पसंदीदा ब्रांडों और उत्पादों का अनुभव लेने का अवसर प्रदान किया। इस मौके पर बात करते हुए, के एन श्रीकांत, डायरेक्टर, होम, किचन एवं आउटडोरस, अमेजन इंडिया ने कहा, ''ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए एक मार्केटप्लेस के रूप में, हम अमेजन इंडिया में 'हर मुस्कान की अपनी दुकान' की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

सामाजिक मूल्यों को जीवित रखना एक पत्रकार का धर्मः भगत सिंह कोश्यारी

देहरादून (संवाददाता)। देवभूमि पत्रकार यूनियन (पंजी.) द्वारा आज पत्रकारिता दिवस एवं अभिनंदन समारोह मनाया गया। यह कार्यक्रम महावीर जैन कन्या पाठशाला, तिलक रोड, देहरादून में आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भगत सिंह कोश्यारी (पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री), डॉ. सुधा पांडेय (पूर्व कुलपति), विशिष्ट अतिथि के रूप में रवि बिजरानिया (उप-निदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग) मौजूद रहे एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. देवेंद्र भसीन (वरिष्ठ पत्रकार) और योगेश भट्ट (सूचना आयुक्त उत्तराखंड सरकार) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भगत सिंह कोश्यारी ने मीडिया और पत्रकारिता के वर्तमान परिस्थितियों पर प्रकाश डाला और नारद मुनि जी को याद करते हुए कहा हमें निरंतर सामाजिक मूल्यों के लिए काम करना है और उन मूल्यों को जीवित रखना है, उन्होंने राजनीतिक और पत्रकारिता के के ऊपर भी प्रकाश डाला और कहां पत्रकारिता को एक मिशन के रूप में करना चाहिए और उसमें प्रोफेशनली हर रूप में परफेक्ट होते हुए एक पत्रकार को हमेशा अपडेटेड रहना चाहिए और समाज के कल्याण और जनहित के लिए कार्य करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व कुलपति एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुधा पांडे, उप निदेशक सूचना रवि बिजरानिया, पूर्व प्राचार्य एवम वरिष्ठ पत्रकार डॉ. देवेंद्र भसीन, सूचना आयुक्त, उत्तराखंड सूचना आयोग योगेश भट्ट आदि ने भी अपना वक्तव्य रखते हुए "मीडिया पर हावी होती राजनेतिक आकांक्षाएं" विषय पर प्रकाश डाला। इनके अतिरिक्त देवभूमि पत्रकार यूनियन के प्रदेश महासचिव डॉ.वी.डी.शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार हरीश मैखुरी, पत्रकार कुंवर राज अस्थाना आदि ने भी अपने-अपने विचार रखें। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों को उनके द्वारा किए गए कार्य और समाज में किए गए योगदान को ध्यान में रखते हुए सम्मानित भी किया गया है जिसमें डा.एम.आर सकलानी, रजनीश त्रिवेदी, लक्ष्मी प्रसाद बडोनी, रामगोपाल शर्मा, कुंवर राज अस्थाना, सुरेंद्र ढाका, राज्यमंत्री विनोद उनियाल, राज्यमंत्री डा.देवेंद्र भसीन, मेघा गोयल, महेश रावत आदि शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष विजय जायसवाल ने की वहीं मंच संचालन गोपाल सिंघल ने किया। मंच पर मुख्य अतिथियों के साथ यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल वर्मा, डा. चंद्र सिंह तोमर "मयंक", वरिष्ठ समाजसेवी विशंभर नाथ बजाज, राज्यमंत्री श्रीमती विनोद उनियाल, प्रदेश अध्यक्ष देवभूमि जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन पं. सुभाष चंद्र जोशी उपस्थित रहे।

देवभूमि पत्रकार यूनियन (पंजी.) की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार बंधुओं में एस.एन.उपाध्याय, शाक्त ध्यानी सूर्य प्रकाश भट्ट, शशिकांत मिश्रा, तेजराम सेमवाल, प्रेमलता भरतरी, राजेश भटनागर,संदीप शर्मा, दीपक धीमान, अशोक पांडे, दुष्यंत शर्मा, हरीश खनेडा, नवीन जोशी, रजत शर्मा, विकास कुमार, दीपक गुलानी, ऋतुराज गैरोला, गौरव भारद्वाज, शैलेंद्र पोखरियाल, राव इमरान, सुरेश चावला, मनमोहन बधानी, संदीप जनधारी, भरत पाठक, अरुण कुमार, अरुण मोगा, नरेश मनोचा, जगदीश बावला, वीरेंद्र वर्मा, रोबिन वर्मा, सुनील गुप्ता, मनमोहन शर्मा, गिरिधर शर्मा, आलोक शर्मा, दीपाली कश्यप, सुनीता शर्मा, तिलक राज, अशोक खन्ना,मनबीर सिंह नेगी आदि उपस्थित रहे।

सुनील सेठी को बनाए भाजपा मेयर प्रत्याशी-पंकज माटा

हरिद्वार,संवाददाता। भाजपा नेता पंकज माटा, नाथीराम सैनी, प्रीत कमल भाजपा नेतृत्व को पत्र लिखकर आगामी निकाय चुनाव में महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी को हरिद्वार नगर निगम मेयर प्रत्याशी बनाए जाने की मांग की है। पंकज माटा ने कहा कि सुनील सेठी जनहित हित के लिए हमेशा जमीन पर संघर्ष करते है। जनता हो या व्यापारी हर किसी की समस्या के निदान का प्रयास करते हैं। हरिद्वार की जनता की मूलभूत सुविधाओं के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हुए संबंधित विभागों को आइना दिखाने का कार्य करते रहते हैं।

पंकज माटा ने कहा कि सुनील सेठी जनप्रिय नेता है। जो पार्टी के लिए एक बड़ी जीत का दम रखते है। लोकसभा चुनाव में सुनील सेठी ने कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत के पक्ष में घर-घर जाकर भाजपा और पीएम मोदी की नीतियों को प्रचार प्रसार किया। वरिष्ठ भाजपा नेता नाथीराम सैनी एवं पूर्व पार्षद प्रीत कमल ने कहा कि सुनील सेठी किसी पहचान के मोहताज नहीं है। पूरे उत्तराखंड में व्यापारियों की आवाज बनकर हर विषय पर शासन प्रशासन के सामने अपनी बात रखने वाले एक लोकप्रिय जननेता है। हरिद्वार की जनता और व्यापारियों का समर्थन उनके साथ है। यदि पार्टी उन्हें प्रत्याशी बनाती है तो बड़े अंतर से हरिद्वार नगर निगम मेयर सीट पर जीत दर्ज करेंगे। मांग करने वालो में मुख्य रूप से सोनू चौधरी, जितेंद्र चोरसिया, मुकेश अग्रवाल, भूदेव शर्मा, अजितेश कुमार, सुनील मनोचा, एसएन तिवारी, अनिल कोरी, राकेश सिंह, विनेश शर्मा, पवन पांडे, गणेश कुमार शामिल रहे।

शांतिकुंज ने निकाली विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जन जागरण रैली

हरिद्वार संवाददाता। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर शांतिकुंज परिवार ने जन जागरण रैली निकाली। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना है। रैली में शांतिकुंज के कार्यकर्त्ताओं सहित विभिन्न साधना व प्रशिक्षण शिविरों में आये प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। तंबाकू भगाओ-देश बचाओ, पान बीड़ी और शराब-स्वास्थ्य को करते खराब, नशा नाश की जड़ है भाई जैसे नारे लगाये गये। अपने संदेश में अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डा.प्रणव पण्ड्या ने कहा कि किसी भी रूप में तंबाकू के अधिक सेवन से क्षय रोग, हृदय रोग, उदर रोग, नेत्रों की खराबी सहित अनेक बीमारियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। पैरों की नसों से लेकर मस्तिष्क तक को भारी नुकसान पहुंचता है। इस समय युवाओं को तंबाकू जैसी खतरनाक नशे के सेवन से बचना है, तभी देश विकसित व सभ्य देश बन पायेगा। उन्होंने कहा कि विश्व के अनेक शैक्षणिक संस्थानों में हुए रिचर्स से पता चला है कि कैंसर रोग का एक बड़ा कारण धूम्रपान ही है। संस्था की अधिष्ठात्री शैलदीदी ने कहा कि भूटान सहित अनेक देशों में तंबाकू का प्रयोग निषिद्ध है, भारत को इन देशों से सीख लेना चाहिए। कहा कि दुर्व्यसन मनुष्य के वास्तविक प्राणघातक शत्रु हैं। इनमें मादक पदार्थ प्रधान हैं। तंबाकू, चरस, भांग, अफीम, शराब आदि नशीली चीजें हानिकारक हैं। शांतिकुंज के संस्थापक युगऋषि पं.श्रीराम शर्मा आचार्य ने कई दशक पूर्व ही दुर्व्यसन मुक्त भारत की परिकल्पना की थी और अपने शिष्यों को इस दिशा में कार्य करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहे।

नाबालिगा को बहला फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के आरोप में दो दबोचे

हरिद्वार। नाबालिगा को बहला फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के मामले में लकसर कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने आस मौहम्मद उर्फ आशु पुत्र हासीम निवासी भगवानपुर चन्दनपुर के खिलाफअपने दो साथीयों के साथ मिलकर उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर ले जाने व दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मुकद्मा दर्ज कराया था। मुकद्मा दर्ज करने बाद आरोपियों की तलाश में जुटी कोतवाली पुलिस की टीम ने सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी आस मौहम्मद व उसके साथी कुलवीर उर्फवीर पुत्र मदन कश्यप निवासी भगवानपुर चन्दनपुर मंगलौर को मुख्य आरोपी आस मौहम्मद के घर से गिरफ्तार कर नाबालिगा को सकुशल बरामद कर लिया। तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

व्यक्ति प्रिय होने के बजाए वस्तु प्रिय होते जा रहे हैं हमः सूचना महानिदेशक

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर उत्तरांचल प्रेस क्लब में संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन

देहरादून (संवाददाता)। हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब की ओर से संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूचना महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सूचना महानिदेशक ने सभी को हिंदी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी के प्रथम समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का अर्थ है उगता सूरज और सही मायनों में इस उगते सूरज ने नई राह दिखाने का कार्य किया। यह राह राजनीतिक और सामाजिक दोनों तरह से थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अभी जो भी माध्यम हैं, उनमें अब सामाजिक वाला हिस्सा नजर नहीं आता।

ऐसे में हमें पुनः एक बार सामाजिक जागरूकता लाने की जरूरत है। आज कहीं न कहीं हम अपने मानवीय मूल्यों से भी दूर होते जा रहे हैं और यही वजह है कि व्यक्ति प्रिय होने के बजाए हम वस्तु प्रिय होते जा रहे हैं। पहले की तुलना में

अब लोगों में धैर्य का अभाव भी तेजी से देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज की पत्रकारिता और पत्रकारों के समक्ष कई चुनौतियां हैं। समाचार लिखते या कवर करते समय हमें संतुलन का बेहद ध्यान रखना चाहिए।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री जय सिंह रावत, अनुपम द्विवेदी व संजीव कंडवाल ने भी पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर अपने विचार प्रमुखता से प्रस्तुत किये। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री अजय राणा ने सूचना महानिदेशक सहित अन्य अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उत्तरांचल प्रेस क्लब की ओर से पत्रकारों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब कार्यकारिणी के तमाम पदाधिकारी व सदस्य भी उपस्थित रहे।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अवनीश कुमार, मो0 9410553400
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।